B.M.A. College, Baheri,

Date - 26/09/2020

Dr. Rajesh Kumar
Sociology

B.A. I (Hons)
Deptt. of Sociology
Sociology

समाजशास्त्र का अर्थ

ऑगस्त कॉम्ट वह पहले विद्वान थे जिन्होंने समाज का अध्ययन करने वाले विज्ञान को आरम्भ में 'सोशल फिजिक्स' के साथ सम्बोधित किया, परन्तु 1838 में इन्होंने इस विज्ञान को 'Sociology' नाम दिया। यही कारण है कि ए. कॉम्ट को 'समाजशास्त्र' का जनक कहा जाता है। शाब्दिक रूप से Sociology शब्द दो भिन्न भाषाओं के शब्दों से मिलकर बना है। पहला शब्द 'Socius' है जिसकी उत्पत्ति लैटिन भाषा से हुई है तथा दूसरा शब्द 'Logus' है जो ग्रीक भाषा से लिया गया है। इन शब्दों का अर्थ क्रमशः समाज एवं शास्त्र है। इस प्रकार 'Sociology' का अर्थ समाज के विज्ञान से है। विशेषकर समाजशास्त्र को सामाजिक सम्बन्धों के व्यवस्थित अध्ययन करने वाले विज्ञान के रूप में जाना जाता है। सर्वप्रथम कॉम्ट ने समाजशास्त्र को सामाजिक व्यवस्था और प्रगति का विज्ञान कहा। इसके बाद स्पेन्सर ने 'Principle of Sociology' के नाम से समाजशास्त्र पर पहली पुस्तक लिखी। समाज व्यक्ति का समूह होते हुए भी भिन्न अर्थ रखता है क्योंकि यह सामाजिक सम्बन्धों का व्यवस्थित अध्ययन वैज्ञानिक पद्धति के आधार पर करता है। मैकाइवर का कहना है कि ~~विज्ञान अवलोकन के द्वारा~~ समाज ~~अवलोकन एवं पुनरवलोकन~~ मनुष्यों के समूह का नाम नहीं है बल्कि मनुष्य-मनुष्यों के बीच होने वाले अन्तर्क्रियाओं एवं प्रतिमानों को ही हम समाज कहते हैं।